15|12|20 55/100

रीता नायक

11-2020 Paper

निबंध लेखन 40

[Q.7]
(a) इलेक्ट्रानिक मिडिया और समाज पर प्रभाव →

एक खास तरीके की टेक्नॉलाजि का उपयोग करना जब मिडिया अर्थात ऐसा साधन जिसको प्रयोग कर इन्फोरमेशन एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जाती है जिसमे इलेक्ट्रानिक उपकरणों का या इलेक्ट्रामेकेनिकल उपकरणो का इस्तमाल किया जाता है यह ठीक उसी प्रकार है जिस तरह हम प्रिंट मिडिया मे प्रिंटिंग की जाती है और संचार किया जाता है

समाज पर प्रभाव –

सकारात्मक – सबसे पहले तो इसका ~~सबसे~~ प्रभाव संचार माध्यम मे अत्याधिक लाभदायक साबित हुआ है जिस प्रकार संसार मे जानकारी को पत्रों के माध्यम से प्रसार किया जाता था उसी प्रकार आज के आधुनिक समाज मे जानकारी इलेक्ट्रानिक के रूप मे प्रसारित होती जिसका प्रभाव यह हुआ कि अत्याधिक तेजी से संचार होना इसे प्रचलित करता है

Date : Page :

दुनिया का कोई भी कोना अब अछूता नहीं रहा है। हर राष्ट्र के उपलब्धियाँ, समाज में बदलाव और रिसर्च के कार्य अब अत्यधिक तेजी से और बिना किसी भाग दौड़ के संभव है।

कोविड-19 के समय में इलेक्ट्रानिक मिडिया का योगदान अभूतपूर्व रहा है। आपातकाल में हर व्यवस्था को बंद किया गया परन्तु ई-मिडिया कि वजह से सभी व्यवस्थाएं के बंद होने के बावजूद जरूरी कार्यों का लगातार चलते रहना इसी से संभव हुआ है स्कूल, कॉलेजो की पढाई, दुनिया भर के राजनैतिक, सामाजिक सम्मेलन, घरो में आने वाले जरूरी खाद्य सामग्री सभी घर बैठे लोग को ई-मिडिया से ही प्रदान की जा सकी।

नकारात्मक - हर सिक्के के दो पहलू होते है जिसमे ई-मिडिया का पहलू पर चर्चा करे तो निम्नलिखित है

(इसको हेडिंग point में बनाये)

1) स्वास्थ्य पर - पढाई का बोझ बच्चो को अपने स्वास्थ से भरपाई करनी पड़ रही है। आखों पर और पढ़ना जब लगातार स्क्रिन पर देखना होता है। हाथ पैर मे और अन्य अंगो पर बुरा प्रभाव पढ़ना।

2) मार्केट - अत्यधिक ऑनलाईन शॉपिंग करने छोटे व्यापारियो की बिक्रि पर असर है

!

Not valid Point

3) राष्ट्र की सीमा सुरक्षा - हेकर्स के द्वारा जरूरी सूचना की चोरी राष्ट्र की सुरक्षा पर खतरा साबित हो सकती है।

4) अश्लील मैसेज एवं फिल्म - किशोर एवं युवा समाज इन बुराईयों मे जल्द ही प्रभाव मे आ जाते हैं।

5) पर्यावरण पर खतरा - खतरनाक विकिरण पक्षीयों के मौत का कारण बनती है और मनुष्यो के दिमाग एवं ध्वनी प्रदूषण पर बुरा प्रभाव छोड़ती है।

उपसंहार - सभी दृष्टियो पर गौर किया जाए तो लाभ के कारण हमारा जीवन सरल हुआ है इस सरलता को यदि नकारात्मक पहलु पर ध्यान रख कर उपयोग किया जाए तो हमारा विकास सतत होगा और आने वाली पीढ़ियो के लिए सुगम होगा।

(14) भाषा ने शानदिशा नोट

(ख)
i) धीरज धरम मित्र अरु नारी विपदा काल परखेऊ चारी।
(अर्थात)
जब इंसान विपदा मे होता है। तो चार चीजो की है जिनकी परख उस समय होती है।
धीरज - विपदा काल मे मनुष्य अपना धीरज खो बैठता है और सोचने समझने की बुद्धि नही रखता और वही मनुष्य की परख होती है कि वह कितना विवेकी है।

धरम - धरम का पालन हर हाल मे हो जैसा हिन्दू शास्त्र मानते है। जब भी समस्याऐ हो तब भी मनुष्य अपने धरम का पालन करे।

मित्र - सुख मे तो सभी साथ देते है असली मित्र सगे संबंधी की परख बुरे समय मे की जाती है। जो बुरे समय मे साथ है वही असली सच्चा मित्र है।

नारी - नारी को हर समय अच्छा हो या बुरा अपने पत्नी धर्म का पालन करना चाहिए बुरे समय मे जो नारी अपने पती का संस्कार ... सिर्फ अपने फायदे के लिए ही साथ रहे ... नारी की परीक्षा विपदा काल मे की जा...

→ धीरज यदि मनुष्य बांध ले तो उसका दिमाग सही सोच विचार करने की परिस्थिती मे होता है यदि कितनी भी बुरी विपदा हो वह उससे बाहर आ जाएगा। हर अंधेरी रात के बाद उजाले से भरी सुबह आती ही है यदि उस सुबह का इंतजार वह धीरज/सब्र रख ले तो मनुष्य का कोई भी अनिष्ट नही हो सकता है। यदि हम धीरज रखे हुमें तो गलत निर्णय लेने की आशंका घट जाती है और यदि निर्णय बाद मे हमें परेशानी मे डाल सकते हैं।

→ धरम – गीता मे कृष्ण के उपदेश धर्म से ही संबंधित है। किस तरह अर्जुन को धरम ने अपने भाई - परिवार मित्रो पर बाण चलाने को मजबूर किया। इसी प्रकार जो धरम हमारा है उसे हमे निभाना ही है चाहे परिस्थितयाँ कितनी भी विपरीत हो। धरम की असली पहचान भी विपदा काल मे की जा सकती है। जब हमे बिना की फायदे के सिर्फ अपना धर्म निभाना चाहिए।

मित्र - अच्छे समय मे सभी मित्र एवं सगे संबंधी आपके साथ होते है असली परख उनकी तभी होती है जब आप किसी बुरे समय मे हो और आपके मित्र उस अवस्था से निकालने मे आपकी मदद करे। परन्तु कुछ मित्र सिर्फ

अच्छे समय में ही आपको मित्रता रखते अब यह आपके ऊपर है कि आप कैसे मित्रों की पहचाने कर पाते है या नहीं। विपदा काल इन परख की पहचानने के लिए सही समय होता है

नारी – अच्छी नारी हर कदम पर आपके साथ रहेगी जीवन के हर पड़ाव में वह आपका साथ देगी चाहे सुख हो या दुःख सच्ची नारी बुरी परिस्थितो से आपको निकलाने में आपकी मदद करती है सिर्फ सुख-सुविधाओं के लिए जो नारी आपके साथ हो वह नारी की परख विपदा काल में हो जाती है।

उपसंहार – मनुष्य की जिंदगी में सभी तरीके की परिस्थिति आती है। अब आप उसे किस तरह देखते है यह आप पर है। विपदा काल को भी जो व्यक्ति उसे अवसर में बदले दे वही असली मनुष्य है यह अवसर सभी को प्राप्त होते अंतर यह है कि आप इसे भुना पाते है या नहीं। विपदा में भी अपने मित्रों, धरम, धीरज का पालन करे वही मनुष्य की विशेषता है।

(1) a)

कोरोना महामारी और भारतीय अर्थव्यवस्था

W.H.O (वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा घोषित सर्वव्यापी महामारी कोरोना। जिसका सांइटिफिक नाम कोविड-19 रखा गया। यह महामारी एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें संक्रमण के द्वारा एक मनुष्य या जानवर से दूसरे शरीर में संक्रमित होती यहि इसका सबसे खतरनाक पहलू है इसका 'संक्रमण'।

यह एक आम बीमारी ना होकर सर्वव्यापी है जिसने पूरे विश्व को अपनी चपेट में कर रखा है। ऐसी बीमारी जिससे पूरी विश्व का हर कोना संक्रमित हो चुका है।

सरकारी तौर पर इस बीमारी का उद्भव एक चमगादड़ के मांस से हुई, जिस संक्रमित चमगादड़ को यह बीमारी थी वह मनुष्य में सँचारित हुई जब उसके मांस का सेवन किया गया। परन्तु आधिकारीक तौर पर इसका किस राष्ट्र से उत्पन्न होना है वह अभी विवादित है

इस महामारी का रिश्ता पहले पूर्व में हुई बीमारी सार्स-2 के इन्फेक्शन से ही है यह पहले इतिहास में घटित बीमारी का ही एक वर्ज़न मान सकते हैं परन्तु इस बार इसका रूप या आतंरिक संरचना अलग है

जिसमे इसकी सेल के ऊपर अलग तरह के स्पाईक्स का होना इसकी खासियत है। जिसकी वजह से यह मनुष्य की सेल्स मे इस तरह से चिपक जाता है कि इसे अलग करना अत्यन्त कठिन है।

प्रभाव के तौर पर इस इन्फेक्शन से मनुष्य शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता निष्क्रिय हो जाती है और एक मनुष्य कम से कम औसतन 15 लोगो को संक्रमित कर सकता है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क मे आने से यह रोग दूसरे शरीर मे चला जाता है और यही चेन चलती रहती है।

लक्षण – इसके लक्षण सामान्य सर्दी एवं बुखार की तरह ही होते है जिसकी पहचान सिर्फ (RT PC) आर·टी·पी·सी से पता लगाई जा सकती है यह बिमारी इंसान के शरीर में मौजूद वाइरस से फैलती रहती है और शरीर मे इसका संक्रमण बढ़ता रहता है। शरीर की रोग प्रतिरोध क्षमता ही आपको इससे बचा सकती है।

इलाज की ओर नजर डाले तो इसकी अभी कोई दवाई नही है परन्तु वेक्सीन पर काम चल रहा और भारत की बायोटेक एवं सीरम इंस्टीट्यूट नामक कंपनीयो ने इसमे विजय हासिल भी की है परन्तु अभी आखरी ट्रायल मे है। जल्द ही इसका ट्रा[illegible] खत्म होगा और इसका टीकाकरण उपलब्ध [illegible]

अर्थव्यवस्था - इस सर्वव्यापी बीमारी का असर अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है जहाँ भारत की आर्थिक दर मे वृद्धि हो रही थी 5.5% लगभग अब यहि (FITCH) की रैकिंग के अनुसार यह दर -9.5% (2020-21) रहने वाली है।

अंतराष्ट्रीय बाजारो में मंदी का असर भारत पर भी देखा जा सकता है अंतराष्ट्रीय सीमा पर बार्डर सील होने की बजह से आयात मुक्त निर्यात की गति मार्च - अगस्त (लगभग) रूकी रही इससे सीधा सीधा प्रभाव नकारात्मक रहा। कोई व्यापार नही और कोई टूरीज्म व्यापार भी नही। इससे विदेशी मुद्रा भंडारण मे अत्यधिक नुकसान देखा जा सकता है।

भारत मे संपूर्ण तौर पर लॉकडाउन लगाने से उत्पादन, विक्रय, बड़ी कंपनीयो मे निवेश, सर्विस सेक्टर सभी सीधे तौर पर प्रभावित हुए है जहा भारत का उत्पादन की दृष्टि से सिर्फ 14% के लगभग उत्पादन होता है अब वह महामारी के दौर मे काफी पिछड़ गया है।

अन्य राष्ट्र के मुकाबले भारत मे लॉकडाउन की सीमा अधिक रही इससे अर्थव्यवस्था अधिक चरमरा चुकी है इसे वापस पटरी पर लाने के

लिए सरकार कई कार्यक्रम चला रही है।
लॉकडाउन की वजह से हर सेक्टर
से कामकाज बंद हो जाने से पलायन की समस्या
उत्पन्न हुई। छोटे मजदूर, दिहाड़ी पर काम करने
वाले सभी अपने घर को वापस लौट गए।
सरकार को इन मजदूरों की
सहायता करने के प्रयास में कई कार्यक्रम चलाए
है।
वित मंत्री सीतारमण द्वारा संचालित (प्रधान मंत्री गरीब
कल्याण योजना) जिसके तहद गरीब जो अत्यन्त
गरीब है उन्हें मुफ्त अनाज का प्रावधान जिसमे
5रु/3रु मे अनाज गेहू। चावल। मोटा अनाज दिया
जाएगा - इस पैकेज मे 20 लाख करोड़ का वितीय
सहायता उपलब्ध की जाएगी
- 12 योजनाएँ अर्थव्यवस्था को बढ़ाने
- प्रधानमंत्री केयर फंड
- छोटे एवं मध्यम कंपनी को 30 करोड़ दिया जाएगा
- टेक्स छूट - 20-24% तक, इनकम टेक्स भरने की
तिथी बड़ाई
- 90,000 करोड़ आधुनिक संरचना के लिए प्रोत्साहित
- लघु वित्त कंपनी को 30,000 करोड़
- 900 करोड़ रिसर्च, टीके के लिए
विदेशी बैंक को 3000 करोड़ - निर्यात। आयात
आत्मनिर्भर भारत - नई रोजगार उत्पन्न

किसानो के द्वारा उगाई जाने फसल की बिक्री कम हुई। लॉकडाउन के कारण आवाजाही पर रोक के कारण किसान को अपनी फसल को उगाने मुंह उसे बाजार मे बेचने (सही समय पर) संभव नही हो पाया। कटाई के समय जिन मजदूरो की आवश्यकता थी वह तक आ ले सके।

मार्किट बंद और सभी रेस्तरां, होटल बंद होने से फसल की मांग कम हुई और जल्दी खराब हो जाने वाली फसल की कीमतो मे गिरावट आई।

सरकार द्वारा न्युनतम मूल्य प्रदान की गई जिससे किसानो की फसलो के गिरते दामो से नुकसान की भरपाई की जा सके।

उपसंहार — इन सभी मुश्किलो के बावजूद आज संसार इस बीमारी का इलाज ढूंढने मे सफल हुए है हर मुश्किल का हल उसके उपाय ढूंढने मे है चाहे मुसीबत कितनी भी बड़ी क्यू ना हो इसका अंत निश्चत है। सरकार के अथक प्रयासो से अब अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाया जा रहा है। अत्यधिक पलायन के लिए प्रोग्राम और जिन कमियो से हम जूझ रहे है इन्हे भी अब पूरा करने का समय आ चुका। यह महामारी हमारी कमजोरीयो पर काम करना हमे सिखा गई है। हमे स्वास्थ्य पर जितना ध्यान दिया है उससे ज्यादा ध्यान देना होगा जिसके आने वाले समय हमे यह मुसिबत ना झेलनी पड़े।